प्रति,

प्रबंधक महोदय जी,
डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन,
करमेता, जबलपुर

द्वारा - प्राचार्य

विषय: अनुसंधान कार्य हेतु फण्ड प्रदान करने बावत

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं श्रीमति ज्योति शुक्ला आपके महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापिका के पद पर कार्यरत हूँ। मैं महर्षि महेश योगी वैदिक विश्व-विद्यालय करौंदी से शिक्षा विषय पर शोध कार्य कर रही हूँ। जिसमें मुझे प्रदत्त संकलन हेतु महाविद्यालय से कुछ वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।
अतः मुझे वित्तीय सहायता प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद

स्थान :- जबलपुर

दिनांक :- 05/05/2022

आवेदन स्वीकृत

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

श्रीमति ज्योति शुक्ला
सहायक प्राध्यापिका

प्रति

प्रबंधक महोदय जी,
डॉ. राधाकृष्णनन् कॉलेज ऑफ
एजुकेशन, करमेता जबलपुर.

द्वारा - प्राचार्य

विषय - अनुसंधान कार्य हेतु फण्ड प्रदान करने बावत्

महोदय जी,

सविनय निवेदन है कि मैं श्रीमति सुधा पासी सहायक प्राध्यापक के पद पर आपके महाविद्यालय में कार्यरत हूं, मैं सुधा पासी सरदार पटेल विश्वविद्यालय से शिक्षा विषय पर शोध कार्य कर रही हूं। जिसमें मुझे प्रदत्त संकलन हेतु महाविद्यालय से कुछ वित्तीय सहायता की आवश्यकता है

अतः मुझे वित्तीय सहायता प्रदान करने की कृपा करें,

धन्यवाद

स्थान - जबलपुर

दिनांक - 08/03/2023

सहायक प्राध्यापक
सुधा पासी

आवेदन स्वीकृत
8/3/23

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of Education Karmeta, Jabalpur

प्रति,

प्रबंधक महोदय जी
डॉ० राधाकृष्णनन् कॉलेज ऑफ एजुकेशन
कारमेता, जबलपुर (म०प्र०)
द्वारा - प्राचार्य

विषय - अनुसंधान कार्य हेतु फण्ड प्रदान करने बावत

महोदय, सविनय निवेदन है कि मैं श्रीमती समता तिवारी सहायक प्राध्यापिका के पद पर आपके महाविद्यालय में कार्यरत हूँ। मैं सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट से शिक्षा विषय पर शोध कार्य कर रही हूँ। जिससे मुझे प्रदत्त संकलन हेतु महाविद्यालय से कुछ वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। अतः मुझे वित्तीय सहायता प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद

प्रार्थी
[signature]
श्रीमती समता तिवारी

स्थान - जबलपुर
दिनांक - 05/03/2023 आवेदन स्वीकृत

[signature] 5/3/23
PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College
Education Karmeta, Jabalpur

Digital Workshop organized by Institution

"Dr. Radhakrishnan College of Education Jabalpur"

"एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला"

"शिक्षक शिक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020"

दिनाँक → 11 नवम्बर - 2021

डॉ० राधाकृष्णन् कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आज एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका विषय था - "शिक्षक- शिक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020"। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11:30 बजे संस्था के प्रबंधक श्री अभिषेक चौबे जी एवं प्राचार्या डॉ० भावना सोनेजी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ करते हुए कार्यक्रम संयोजक - प्रमिति ज्योति शुक्ला द्वारा माँ सरस्वती जी का स्मरण करते हुए किया गया।

"शुभम करोति कुत्यागम आरोग्यं धन संपदा।
शत्रुबुद्धि विनाशाय दीपज्योतिर्नमोस्तुते।।"

11:20
Akshay
09 others

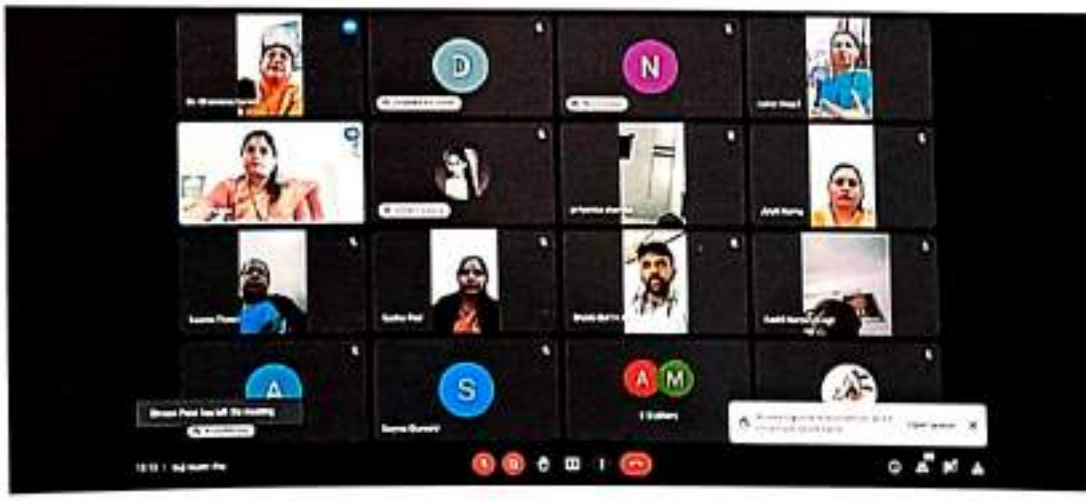

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रानी दुर्गावती विश्व-विद्यालय के कुलपति माननीय कपिल देव मिश्र जी रहे। जिनके आशीर्वाद से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ० एन.एस. धर्माधिकारी जी थे। जो कि सेवानिवृत्त प्राचार्य कौशलेश्वर महाविद्यालय कुंडी से थे। वर्तमान में वे शिक्षाविद् व नेक यू.जी.सी. कमेटी के विगत 11 वर्षों से मेम्बर है। शिक्षा के क्षेत्र में इनका 45 वर्षों से योगदान रहा है। धर्माधिकारी जी ने गणित विषय में पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है।

"शिक्षक-शिक्षा के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा-नीति 2020" के संबंध में धर्माधिकारी जी ने बहुत ही ज्ञानवर्धक बातों से हमें परिचित कराया। उन्होंने शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं में ICT के महत्व को बताया। शिक्षकों के लिए ICT के महत्व का वर्णन करने के उपरांत उन्होंने डिस्टेंस लर्निंग के महत्व के विषय में विस्तार से बताया।

इसके अतिरिक्त मूल्यांकन प्रणाली में होने वाले परिवर्तन से हमें परिचित कराया। शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं में वाई-फाई की उपयोगिता पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

suj-ounr-ihx
Gitesh
Ruchi
Skill
chanchal
Pooja Chandel joined

suj-ounr-ihx
Riya Tiwari joined

कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि रानी दुर्गावती विश्व-विद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडी की चेयरमैन एवं विभाग शिक्षण संस्थान की एच ओ डी प्रो० रेना तिवारी मैडम रहीं। रेना मैडम ने संदर्भित विषय से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य हमारे समक्ष रखे। उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 से संबंधित कई महत्वपूर्ण तथ्य, जैसे- शिक्षा में एक बड़ा बदलाव, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, एवं एक जैसी शिक्षा व्यवस्था तथा शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण आदि मुद्दों पर चर्चा की। जिससे कार्यशाला से जुड़े सभी शिक्षक व विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

तत्पश्चात कार्यक्रम की आयोजक डॉ० भावना सोनेजी जो कि संस्था में प्राचार्य पद पर कार्यरत हैं, के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विषय में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों तथा शिक्षकों सभी के लिए एक नई दिशा है।

इस एक दिवसीय कार्यशाला में गूगल मीट एवं यू-ट्यूब के द्वारा डॉ. राधाकृष्णन् कॉलेज ऑफ एजुकेशन के समस्त शिक्षकगण ऑफिस स्टाफ एवं डी.एल.एड., बी.एड. तथा एम.एड. के समस्त विद्यार्थी भी जुड़े थे। सभी ने उत्साहपूर्वक कार्यशाला में सहभागिता निभाई।

कार्यशाला के अंत में शिक्षकों विद्यार्थियों द्वारा सभी वक्ताओं से प्रश्न पूछे गए। व विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर अपनी समस्याओं का समाधान किया गया।

कार्यशाला का समापन संस्था की सहायक प्राध्यापिका श्रीमति ज्योति शुक्ला जो कि कार्यक्रम की संयोजक रही के द्वारा सभी अतिथियों एवं वक्ताओं तथा संस्था के प्रबंधक श्री अभिषेक चौबेजी एवं प्राचार्य डॉ. आभा सोनेजी व सभी शिक्षकों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों के आभार प्रदर्शन द्वारा किया गया।

38% 12:19
suj-ounr-ihx
RAMPRAKASH AHIRVAR and 1 more have left
Rajeshwari
M
Madhuri
P S
68 others

इस प्रकार अपराह्न 12:30 बजे कार्यशाला का समापन कर विद्यार्थियों व समस्त शिक्षकों व प्राध्यापकों को फीडबैक फार्म की लिंक प्रदान कर ई-सर्टिफिकेट प्रेषित किए गए।

इस प्रकार सफलतापूर्वक कार्यशाला संपन्न हुई।

Shukla
11/11/2024

श्रीमति ज्योति शुक्ला
कार्यक्रम संयोजिका
सहायक प्राध्यापिका

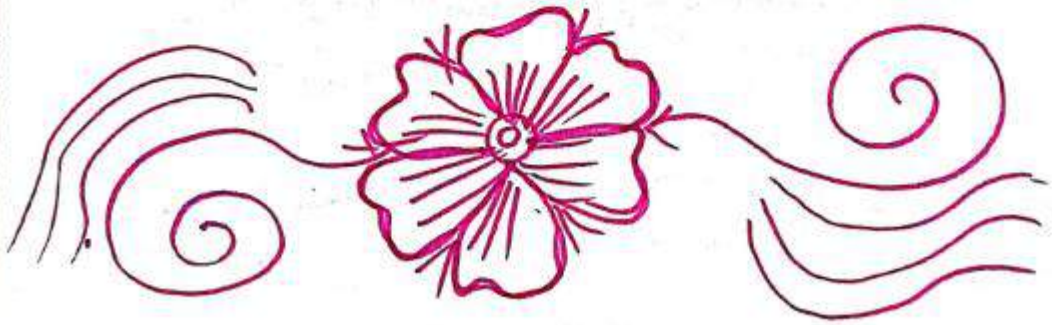

Workshop on Personality Development

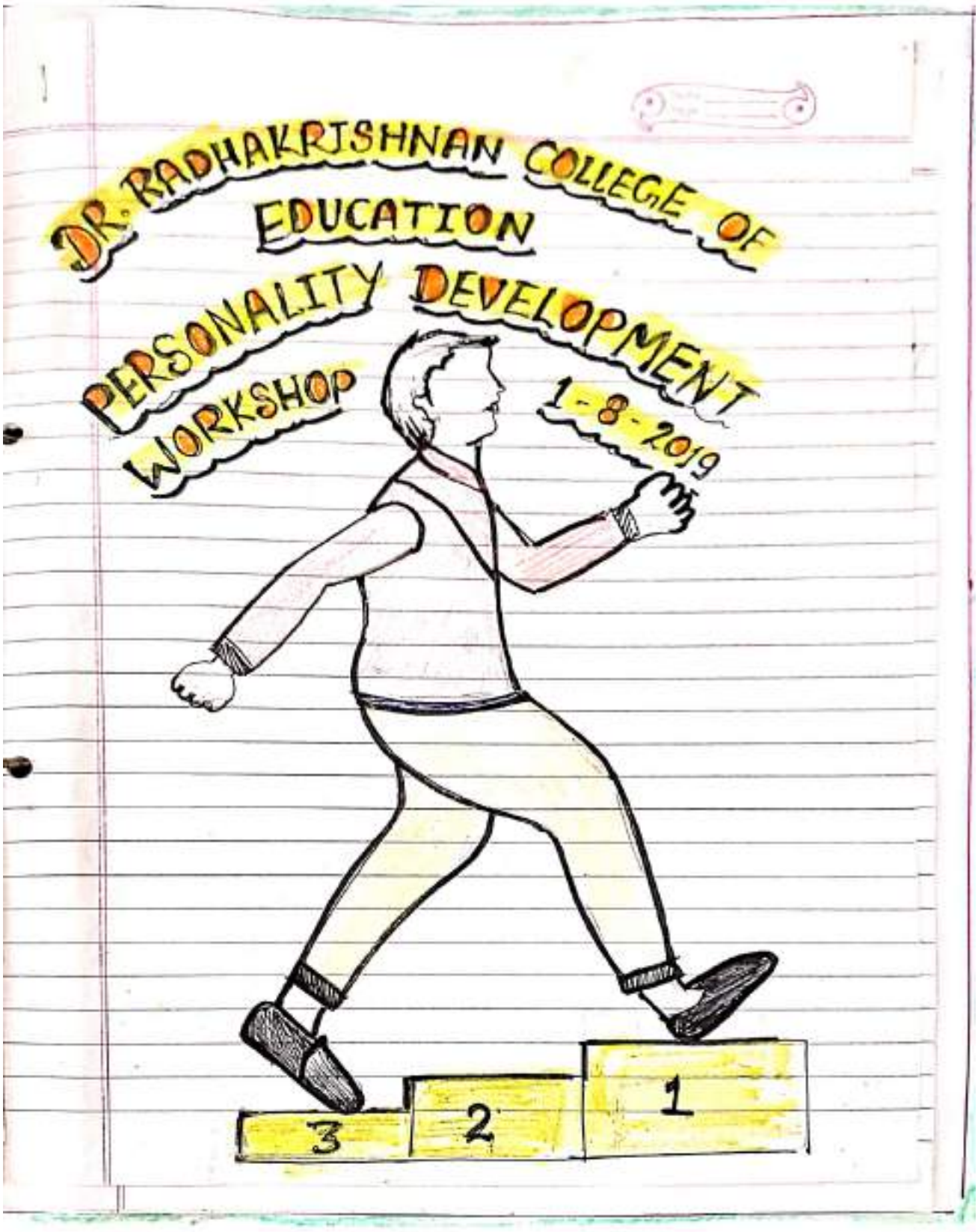

DR. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

WORKSHOP ON PERSONALITY DEVELOPMENT

1/8/2019

डॉ. राधाकृष्णन् कॉलेज ऑफ एजुकेशन में दिनांक 2-8-19 को व्यक्तित्व विकास (Personality Development) पर एक द्विदिवसीय कार्यशाला (Workshop) का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के बी. एड, डी.एल एड तथा एम. एड के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में निखार लाने हेतु आवश्यक जानकारी देना था। इस कार्यशाला में व्यक्तित्व विकास कैसे करें? अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए अपने आपको जागरूक कैसे करें? अपना आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं? तथा इंटरव्यू के लिए जाते वक्त किन महत्वपूर्ण जानकारियों का होना आवश्यक है इस पर चर्चा की गई। जिसमें महाविद्यालय के समस्त छात्र

ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
इस कार्यशाला का प्रारंभ प्रातः 11 बजे महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संचालक श्री अभिषेक चौबे जी, संचालिका श्रीमती करुणा चौबे जी तथा महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डॉ. भावना सोनी जी उपस्थित रही। कार्यशाला का प्रारंभ माँ सरस्वती जी की पूजा अर्चना तथा वंदना के साथ प्रारंभ हुआ इस अवसर पर बी.एड के विद्यार्थियों ने आकर्षक सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके पश्चात हमारे विशिष्ट अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया गया। तथा पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यशाला के प्रारंभ में महाविद्यालय के संचालक श्री अभिषेक चौबेजी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, आज के दौर में कामयाबी का मूलमंत्र है व्यक्तित्व विकास जिसके पास कुछ खास चीजें जैसे, आत्मविश्वास प्रतिभा तथा भाषा पर पकड़ जैसे खास कौशल है वो 21 वी सदी का सफल व्यक्ति माना जाता है। इन गुणों के साथ वह अपनी मंजिल पर पहुंच जाता है। दुनिया के आधे काम तो इस एक शब्द से जुड़े है। यदि हमारे पास आत्मविश्वास की ताकत है तो हम किसी भी परिस्थिति से बाहर निकल सकते हैं।

आत्मविश्वास की ताकत आपके चेहरे से झलकती है यह हमारी कृति को निखारती है।"
संचालक महोदय श्री अभिषेक शैलेजी के इन वचनों के बाद विद्यार्थियों के विशेष आग्रह पर महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डॉ. भावना खोलेजी ने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास से संबंधित महत्वपूर्ण व रोचक जानकारियाँ दी। और कहा कि, व्यक्तित्व विकास के लिए विद्यार्थियों को अपना आत्मविश्वास बढ़ाना चाहिए, पढ़ने की आदत, सुनने की आदत, चेहरे के हावभाव पर नियंत्रण, नकारात्मकता से बचें इन कुछ खास बातों को ध्यान में रखकर व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकता है। हम रोज बहुत सारे लोगों से मिलते हैं पर उन बहुत में से कोई एक व्यक्ति होता है जिससे हम प्रभावित होते हैं ऐसे लोगों के लिए ही हम कहते हैं कि, "The Person has got a pleasant personality."

प्राचार्या जी के इन रोचक जानकारियों के पश्चात श्री अंकेश फटक जी ने छात्रों को व्यक्तित्व विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी उन्होंने कहा कि हमारा किसी व्यक्ति पर पहला प्रभाव ही आखिरी प्रभाव होता है अतः हमें अपने व्यक्तित्व व्यवहार व समय और परिस्थिति के हिसाब से रखना चाहिए। जैसे हमारी पोशाक, बालों की शैली, बोलने का तरीका, हावभाव

जूते आदि हमारे व्यक्तित्व पर प्रभाव डालते हैं। इसके अलावा हमारे बोलने का तरीका शरीर के हाव-भाव आदि। सिर्फ अभिनेता या लेखक या नेता ही नहीं बल्कि एक आम आदमी भी श्रोता चाहता है। वह चाहता है कि लोग उसे सुनें। जब आप एक आम आदमी के लिए Audience बनते हैं तो आप उसके लिए खास हो जाते हैं। तब आप एक व्यक्ति से बढ़कर एक व्यक्तित्व बन जाते हैं। जब भी हम किसी से मिलें मुस्कुराहट के साथ मिलें इससे लोग खुश होते हैं। बहुत से लोग इस छोटी सी बात पर गौर नहीं करते जबकि यह मुस्कुराहट हमारे व्यक्तित्व को आकर्षक बनाता है। हमें लोगों पर विश्वास करना चाहिए आंखमूंदकर नहीं करना चाहिए लेकिन हर किसी पर अविश्वास भी नहीं करना चाहिए। आप लोगों के साथ अच्छा करिए अच्छा बनिए तभी वे भी आपके साथ अच्छा करेंगे व अच्छे बनेंगे। इंसान की शारीरिक छवि उसके खुद के अनुभवों तथा सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियों का फल होता है। व्यक्ति को हर स्थिति में सकारात्मक और आशावादी नजरिया अपनाना चाहिए उसे यह जानना चाहिए कि वह किस प्रकार रखता

रह सकता है। और अपने लक्ष्य तक पहुंच सकता है। सकारात्मक नजरिया और स्वस्थ जीवन शैली दोनों आत्म-सम्मान के लिए आवश्यक होते हैं। जब व्यक्ति तनाव में रहता है तो उसके आत्मविश्वास में कमी आ जाती है ऐसे समय में किसी प्रोफेशनल की मदद लेनी चाहिए। आत्मसम्मान और शारीरिक छवि के लिए जरूरी है कि व्यक्ति खुद का आदर करें। आत्मविश्वास से भरपूर व्यक्ति ही अपनी जिंदगी में रचनात्मक योगदान दे सकता है।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में उन्होंने विद्यार्थियों को इंटरव्यू के दौरान याद रखने वाली महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार के लिए सबसे पहले हमारा बायोडाटा आकर्षक होना चाहिए फिर हमारी पोशाक कैसी होनी चाहिए ? हमारे हाव-भाव और हमारी बोलने की शैली आदि के बारे में जानकारियाँ दी। छात्रों और छात्राओं को अलग जानकारियाँ दी तथा इस कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने अनेक प्रश्नों को पूछा और उत्साह का परिचय दिया। इसतरह यह कार्यशाला विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के लिए महत्वपूर्ण रही विद्यार्थियों ने अनेक महत्वपूर्ण बातों को सीखा। तत्पश्चात समस्त विद्यार्थियों

Date
Page

को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विद्यार्थियों द्वारा समस्त शिक्षकों तथा विशिष्ट अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया गया। इस तरह यह एकदिवसीय कार्यशाला का सभी के सहयोग से सफलता-पूर्वक समापन किया गया।

WorkShop On Personality Devolopment"

1-8-2019

क्या आप में है
सफलता पाने का
आत्मविश्वास?

Finance Report for Research Activities

EXPENDITURE TO FINANCIAL SUPPORT TO TEACH FOR RESEARCH WOR/WORKSHOP/PHD INCLUDED IN SALARY

Particulars	2023		2022		2021		2020		2019	
	Rs.	%	Rs.	%	Rs.	%	Rs.	%	Rs.	%
Jyoti Shukla	10000		10000		10000		10000		10000	
Sarita Tiwari	7500		7500		7500		5000		5000	
Sudha Pasi	7500		7500		7500		5000		5000	
Sachin Pendke	10000		10000		10000		7500		7500	
Dhananjay Majumdar	15000		15000		10000		7500		7500	
TOTAL	50000		50000		45000		35000		35000	

C.A.K.P.K. & ASSOCIATES

CHARTERED ACCOUNTANTS

Certificate of Seed Money Sanctioned

This is to certify that **NEW AKANSHA SHIKSHA SAMITI** (Unit: **DR. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION) SHANTI NAGAR, JABALPUR** has provided financial support during the financial year 2018-19 to 2022-23 towards the Seed Money for research and innovations projects undertaken by faculty members at the College. Details for the same are as follows.

S.NO.	Year	Amount in INR (in Lakhs)
01	2022-23	0.50
02	2021-22	0.50
03	2020-21	0.45
04	2019-20	0.35
05	2018-19	0.35

We also certify that above amount included in Salary to Employees. We have obtained all the information and explanation which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of certification and the certification includes examining, evidence supporting the amounts available.

Place: Jabalpur

Date: 04.06.2024

UDIN - 24401221BKCPDR8856

for C.A.K.P.K. & ASSOCIATES
Chartered Accountants

(CA Piyush Kapoor)
Partner
M. no. 401221
FRN 011078C

H.O.: CA (Dr.) PIYUSH KAPOOR : 201-204, KAPOOR CHAMBERS, RAJUL ARCADE, RUSSEL SQUARE, NAPIER TOWN, JABALPUR - 482001, Mo.: 9826240451, 9993844411
B.I : CA ASHISH CHAWLA : OH NO. 111, SAMDARIYA COMPLEX, SHEELA TALKIES COMPOUND, SOUTH CIVIL LINES, JABALPUR - 482001, Mo.: 9893476064, 8818896064
B.II : CA HARMINDER KAUR SINHA : FLAT NO. 212, BLOCK A-3, MILAN HEIGHTS, NEAR AGRAWAL PUBLIC SCHOOL OPP. AKASH HOSPITAL BICHOLI MARDANA ROAD, INDORE - 452016, Mo.: 9425300376

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of Education Karmeta, Jabalpur